Behavioural Science (Psychology & Sociology)

Unit 01. Introduction (परिचय)

Q. मनोविज्ञान की परिभाषा लिखिए एवं इसके कार्य-क्षेत्रों का वर्णन कीजिए।

Define psychology and explain the scope of psychology.

उत्तर- मनोविज्ञान की परिभाषा (Definition of Psychology):

अरस्तू के अनुसार - मनोविज्ञान मन का विज्ञान है।

वाट्सन के अनुसार -

मनोविज्ञान मानव-व्यवहार का सकारात्मक विज्ञान है।

"Psychology is the positive science of behaviour"

पील्सबरी के अनुसार - मनोविज्ञान मानव-व्यवहार का विज्ञान है।

"Psychology is the science of human behaviour."

मनोविज्ञान का क्षेत्र (Scope of Psychology): इसके अंतर्गत निम्नलिखित क्षेत्र आते हैं-

1. सामान्य मनोविज्ञान (General Psychology) -

सामान्य मनोविज्ञान प्राणियों के सामान्य व्यवहार का साधारण परिस्थितियों में अध्ययन करता है। यह मनोविज्ञान के सामान्य सिद्धांतों (general principles) व मौलिक नियमों (fundamental

nursingyan.com

rules) का अध्ययन करता है।

इसमें सामान्य व्यक्ति के मानसिक जीवन से संबंधित संवेदनाओं, प्रेरणाओं, स्मृतियों, संवेगों, कल्पना, चिंतन, सीखना, व्यक्तित्व, कुण्ठा तथा इसी प्रकार की अन्य मानवीय गतिविधियों व क्रियाओं (activities) और मानसिक प्रक्रियाओं (mental methods) का अध्ययन किया जाता है।

2. असामान्य मनोविज्ञान (Abnormal Psychology)

मनोविज्ञान की इस शाखा में मानव के असाधारण तथा असामान्य व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है।

यह विभिन्न प्रकार की मनोविकृतियों और दूसरे प्रकार की असामान्यताओं, उनके कारणों तथा उपचार का अध्ययन करता है, साथ ही अन्य असाधारण मानसिक अवस्थाओं, जैसे- दिवा-स्वप्न (day-dream), स्मृति-भ्रम (loss of memory), सम्मोहन (hypnosis), आदि का भी इसी विधा में अध्ययन किया जाता है।

3. मानव मनोविज्ञान (Human Psychology) -

मनोविज्ञान की इस शाखा में केवलमात्र मनुष्यों के व्यवहारों का ही अध्ययन किया जाता है इसके अतिरिक्त और किसी भी बात का नहीं।

4. पशु मनोविज्ञान (Animal Psychology) -

इसे तुलनात्मक मनोविज्ञान (comparative psychology) भी कहते हैं क्योंकि इसमें पशु-व्यवहार की मानव-व्यवहार से तुलना की जाती है, परिणामस्वरूप दोनों (पशु और मानव) के निष्कर्षों से एक-दूसरे को लाभान्वित करने का अध्ययन किया जाता है।

5. व्यक्ति मनोविज्ञान (Individual Psychology)-

इस शाखा में व्यक्तियों के व्यक्तिगत भेदों (individual differences) के बारे में अध्ययन किया जाता है, क्योंकि स्वाभाविक रूप से एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से कुछ न कुछ भिन्न अवश्य होता है।

nursingyan.com

6. समूह मनोविज्ञान (Group Psychology) -

इस शाखा के अन्तर्गत समूह में व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन करते हैं क्योंकि समूह मन (group mind) समूह को बनाने वाले व्यक्तिगत मनों से भिन्न होता है।

7. सामाजिक मनोविज्ञान (Social Psychology) -

इसमें समाज की मानसिक स्थिति, समाज के प्रति चिन्तन आदि का अध्ययन किया जाता है।

इसका उद्देश्य ऐसे नियमों का अनुसंधान करना है जो सामाजिक संबंधों तथा सामाजिक संगठनों को स्थिर रख सके।

8. प्रौड़ मनोविज्ञान (Adult Psychology) -

इस शाखा में प्रौढ़ व्यक्तियों के विभिन्न व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है क्योंकि प्रौद व्यक्ति का व्यवहार बालक के व्यवहार से भिन्न होता है।

9. बाल मनोविज्ञान (Child Psychology)

बालक की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, गामक (motor) तथा संवेगात्मक (emotional) परिस्थितियां प्रौढ़ से भिन्न होती हैं, अत: इसका व्यवहार भी प्रौढ़ से भिन्न होता है।

यही कारण है कि बालक के व्यवहारों का अलग से अध्ययन किया जाता है और इस विधा (form) को बाल मनोविज्ञान कहा जाता है।

10. कार्यिकी मनोविज्ञान (Physiological Psychology)-

मनोविज्ञान में शारीरिक प्रक्रियाओं का मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाता है, अतः यह विशिष्ट शाखा कार्यिकी मनोविज्ञान कहलाती है।

इसके अन्तर्गत मानव-व्यवहार को प्रभावित करने वाले अंगों, जैसे- मस्तिष्क, मेरुरज्जु, संवेदी अंग, मांसपेशियां और तत्रिका, आदि की कार्यिकी का अध्ययन किया जाता है।

nursingyan.com

11. प्रयोगात्मक मनोविज्ञान (Experimental Psychology) -

मनोविज्ञान के अध्ययन की यह सबसे महत्वपूर्ण विधि.है।

इस प्रयोगात्मक मनोविज्ञान में मानसिक प्रक्रियाओं और व्यवहार के अध्ययन हेतु नियंत्रित परिस्थितियों में वैज्ञानिक पद्धतियों का प्रयोग किया जाता है।

प्रयोगात्मक मनोविज्ञान बाह्य व्यवहार के साथ ही मानव विकास की विभिन्न अवस्थाओं में आंतरिक प्रक्रियाओं (internal processes) का भी अध्ययन करती है।

12. परामनोविज्ञान (Parapsychology)

यह मनोविज्ञान की नव-विकसित शाखा है।

इस शाखा के अंतर्गत मनोवैज्ञानिक अतीन्द्रिय (super sensible) और इन्द्रियेतर (extra sensory) प्रत्यक्षों का अध्ययन करते हैं।

ये अतीन्द्रिय तथा इन्द्रियेतर अवबोधन (understanding) पूर्व जन्मों से संबंधित होते हैं।

13. विकासात्मक मनोविज्ञान (Developmental Psychology) -

मनोविज्ञान गत्यात्मक है (psychology is dynamic)।

यह मानव का एक गतिशील व विकासशील प्राणी के रूप में अध्ययन करती है।

मनोविज्ञान की यह शाखा मानव-विकास की विभिन्न अवस्थाओं जैसे शिशु अवस्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था, वयस्कावस्था, वृद्धावस्था के साथ इन अवस्थाओं में होने वाले मानव-व्यवहार का भी अध्ययन करती है।

14. शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology) -

यह व्यावहारिक मनोविज्ञान की वह शाखा है जो शैक्षिक परिस्थितियों में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, संकल्पनाओं और तकनीकों को मानव-व्यवहार पर लागू करती है।

शिक्षण में मनोवैज्ञानिक ढंग व साधनों से सुधार करना शिक्षा मनोविज्ञान की मुख्य विषय-वस्तु है।

nursingyan.com

शिक्षा मनोविज्ञान शिक्षक की उन सुविधाओं के विकास में सहायता करता है जिनसे छात्र को उसकी मनोवैज्ञानिक क्षमताओं के अनुसार शिक्षित किया जा सके।

15. औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial Psychology) -

व्यावहारिक मनोविज्ञान की इस शाखा में औद्योगिक वातावरण में मानव-व्यवहार के अध्ययन के लिए मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, नियमों व तकनीकों का उपयोग किया जाता है।

ग्राहक की मनोवृत्ति (mental attitude) का अध्ययन करके व्यापारी वस्तुओं व सेवाओं की गुणात्मकता के साथ ही खरीददारी, बिक्री व विज्ञापन के तरीकों के बारे में जान सकते हैं।

इसके अतिरिक्त यह मनोविज्ञान उद्योगपतियों को मजदूरों से सम्बन्ध बनाये रखने में, मजदूरों के चयन, भर्ती व प्रशिक्षण में, मजदूरों की समस्याओं के निराकरण करने में सहायता करता है।

16. नैदानिक मनोविज्ञान (Clinical Psychology) -

मनोविज्ञान की इस शाखा में मानसिक रोगों तथा असामान्य व्यवहार के कारण, लक्षण, प्रकार, निदान तथा उपचार की विभिन्न विधियों का अध्ययन किया जाता है।

इसके अन्तर्गत नैदानिक मनोविशेषज्ञ (clinical psychologist) मानसिक रोगों के कारणों का पता लगाकर व्यक्तिगत समूह उपचार (mass therapy)

मार्गदर्शन और परामर्श द्वारा मनोरोग से ग्रस्त व्यक्ति का उपचार करते हैं। वर्तमान समय में Clinical Psychology का महत्व बढ़ता जा रहा है।

17. व्यावसायिक परामर्श मनोविज्ञान (Counselling and Vocational Guidance Psychology)

- मनोविज्ञान का एक अत्यन्त व्यावहारिक अनुप्रयोग व्यावसायिक परामर्श के क्षेत्र में है।

व्यावसायिक परामर्श मनोविज्ञान युवा व्यक्तियों को उनकी क्षमता और प्रतिभा के अनुसार अपना career चुनने में मदद करता है।

nursingyan.com

18. वैधानिक मनोविज्ञान (Legal Psychology)-

इस मनोविज्ञान का न्यायिक (law and justice) क्षेत्र में उपयोग किया जाता है।

इसके द्वारा अपराध के निर्धारण, झूठे गवाहों की पहचान करने में, विवाद व कानूनी मामलों को अच्छी तरह से समझने में सहायता मिलती है।

19. सैन्य मनोविज्ञान (Military Psychology) -

मनोविज्ञान की यह शाखा मिलिट्री साइंस के क्षेत्र में मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों का प्रयोग करती है।

सैन्य सेवाओं में भर्ती, प्रशिक्षण, नेतृत्व, युद्ध के समय में सैनिकों के मनोबल को बनाये रखने में, Intelligence Services का सैनिकों व सैन्य अधिकारियों के मध्य संपर्क स्थापित करने, आदि इस शाखा की विषय-वस्तु हैं।

20. राजनीतिक मनोविज्ञान (Political Psychology)

राजनीति के क्षेत्र में भी मनोविज्ञान के नियमों का उपयोग किया जाता है।

समूह व्यवहार का ज्ञान, जनता की धारणा, नेतृत्व के गुण, प्रचार का मनोविज्ञान, राजनीतिक कला, चुनाव प्रशासन, कानून, आदि क्षेत्र इसकी अध्ययन सामग्री हैं।

उपर्युक्त विवेचनों (interpretations) से स्पष्ट है कि मनोविज्ञान का अध्ययन-क्षेत्र अत्यधिक व्यापक है।

मनोविज्ञान के विषय-क्षेत्र (सैद्धान्तिक व व्यावहारिक मनोविज्ञान) में मनुष्य के प्रत्येक पहलू को शामिल किया जाता है।

Scope of Psychology: The following areas come under it-

1. General Psychology -

nursingyan.com

General psychology studies the normal behavior of living beings under ordinary circumstances.

It studies the general principles and fundamental rules of psychology.

In this, the sensations, inspirations, memories, emotions, imagination, thinking, learning, personality, frustration and other similar human activities and mental methods related to the mental life of an ordinary person are studied.

2. Abnormal Psychology

In this branch of psychology, extraordinary and abnormal behaviors of humans are studied.

It studies various types of psychosis and other abnormalities, their causes and treatment, as well as other extraordinary mental states, such as day-dreaming, loss of memory, hypnosis,), etc. are also studied in this genre.

3. Human Psychology -

In this branch of psychology, only the behavior of humans is studied and nothing else.

4. Animal Psychology -

It is also called comparative psychology because in this, animal behavior is compared with human behavior, as a result, the findings of both (animals and humans) are studied to benefit each other.

5. Individual Psychology-

In this branch, individual differences of people are studied, because

nursingguan.com

naturally one person is different from another person in some way.

6. Group Psychology -

Under this branch, we study the behavior of individuals in a group because the group mind is different from the individual minds that make up the group.

7. Social Psychology -

In this, the mental condition of the society, thinking towards the society etc. is studied.

Its objective is to research such rules which can keep social relations and social organizations stable.

8. Adult Psychology -

In this branch, various behaviors of adult people are studied because the behavior of an adult person is different from the behavior of a child.

9. Child Psychology

The physical, mental, social, motor and emotional conditions of a child are different from those of an adult, hence his behavior is also different from that of an adult.

This is the reason why child's behavior is studied separately and this form is called child psychology.

nursinggyan.com

10. Physiological Psychology-

In psychology, physical processes are studied from a psychological point of view, hence this special branch is called physiological psychology.

Under this, the physiology of organs that influence human behavior, such as brain, spinal cord, sensory organs, muscles and nervous system, etc. is studied.

11. Experimental Psychology -

This is the most important method of studying psychology.

In this experimental psychology, scientific methods are used under controlled conditions to study mental processes and behavior.

Experimental psychology studies external behavior as well as internal processes at different stages of human development.

12. Parapsychology

This is a newly developed branch of psychology.

Under this branch, psychologists study super sensible and extra sensory perceptions.

These extrasensory and extrasensory understandings are related to previous lives.

13. Developmental Psychology -

Psychology is dynamic.

It studies human being as a dynamic and developing being.

nursingguan.com

This branch of psychology studies various stages of human development like infancy, childhood, adolescence, adulthood, old age along with human behavior occurring in these stages.

14. Educational Psychology -

It is the branch of applied psychology that applies psychological principles, concepts and techniques to human behavior in educational situations.

Improving teaching through psychological methods and means is the main subject matter of educational psychology.

Educational psychology helps the teacher in developing those facilities by which the student can be educated according to his psychological capabilities.

15. Industrial Psychology -

In this branch of applied psychology, psychological principles, rules and techniques are used to study human behavior in industrial environments.

By studying the mental attitude of the customer, businessmen can know about the quality of goods and services as well as the methods of purchasing, selling and advertising.

Apart from this, this psychology helps the industrialists in maintaining relations with the workers, in selection, recruitment and training of workers and in solving the problems of the workers.

16. Clinical Psychology

In this branch of psychology, the causes, symptoms, types, diagnosis and various methods of treatment of mental diseases and abnormal behavior

nursingyan.com

are studied.

Under this, clinical psychologists find out the causes of mental diseases and provide individual group treatment (mass therapy).

Treats a person suffering from mental illness through guidance and counselling. In present times, the importance of Clinical Psychology is increasing.

17. Counseling and Vocational Guidance Psychology

- One very practical application of psychology is in the field of business counseling.

Vocational counseling psychology helps young individuals to choose their career according to their ability and talent.

18. Legal Psychology-

This psychology is used in the legal (law and justice) field.

This helps in determining crime, identifying false witnesses, and better understanding disputes and legal matters.

19. Military Psychology -

This branch of psychology uses psychological principles in the field of military science.

The subject matter of this branch is recruitment, training, leadership in military services, maintaining the morale of soldiers during war, Intelligence Services and establishing contact between soldiers and military officers, etc.

nursinggyan.com

20. Political Psychology

The rules of psychology are also used in the field of politics.

Knowledge of group behavior, public perception, leadership qualities, psychology of campaigning, political art, election administration, law, etc. are its study material.

It is clear from the above interpretations that the field of study of psychology is very broad.

Every aspect of human being is included in the subject area of psychology (theoretical and practical psychology).

प्रश्न . मनोविज्ञान क्या है? इसके क्रमिक विकास से आप क्या समझते हैं?

What is Psychology? What do you understand with its orderly development?

उत्तर- मनोविज्ञान (Psychology) शब्द लैटिन भाषा के शब्द "साइको-लोगस" (psychologus - psycho से तात्पर्य "आत्मा" तथा logus से तात्पर्य "ज्ञान") से बना है।

यही आगे चलकर साइकोलॉजी हो गया अर्थात "आत्मा या मन का अध्ययन"।

कई शताब्दियों पूर्व मनोविज्ञान को दर्शनशास्त्र की ही शाखा माना जाता था।

उस समय मनोविज्ञान में मुख्य रूप से "मन" (mind) तथा "मानसिक क्रियाओं" (mental processes) का अध्ययन किया जाता था।

इन परिवर्तनों के साथ ही मनोविज्ञान के निरूपण तथा व्याख्या में भी अन्तर आए।

मनोविज्ञान का जो रूप आज हम देख रहे हैं, वह विकास के भिन्न-भिन्न क्रमों से गुजरा है।

nursinggyan.com

मनोविज्ञान के क्रमिक विकास को हम निम्न बिन्दुओं से समझ सकते हैं-

• आत्मा के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a Science of Soul) -

प्लेटो (Plato), अरस्तू (Aristotle), तथा देकाते (Decarte) आदि ग्रीक दार्शनिक मनोविज्ञान को आत्मा का विज्ञान (Science of Soul) के रूप में स्वीकार करते हैं।

• मन या मस्तिष्क के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a Science of Mind) -

आत्मा के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान की व्याख्या अस्वीकृत हो जाने के बाद सत्रहवीं सदी के दार्शनिकों ने मनोविज्ञान को मन के विज्ञान (Science of Mind) के रूप में निरूपित (explained) किया।

• चेतना के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a Science of Consciousness)

- उन्नीसवीं सदी में मनोवैज्ञानिकों ने मन के विज्ञान के स्थान पर मनोविज्ञान को चेतना के विज्ञान (Science of Consciousness) के रूप में प्रस्तुत किया।

इनमें विलियम जेम्स, वाइव, विलियम वुड, जेम्स सली, आदि दार्शनिकों के नाम प्रमुख हैं।

• व्यवहार के विज्ञान के रूप में मनोविज्ञान (Psychology as a science of Behaviour) -

बीसवीं शताब्दी के प्रारम्भ में मनोविज्ञान को व्यवहार के विज्ञान (Science of Behaviour) के रूप में दार्शनिक स्वीकार करने लगे। वाट्सन, बुड्वर्थ, स्किनर, आदि दार्शनिकों के नाम इसमें प्रमुख है।

अब वर्तमान में मनोविज्ञान के इसी रूप को सर्वमान्य रूप से स्वीकार (universally accepted norm) किया जाता है।

Answer: The word psychology is derived from the Latin word "psycho-logus" (psychologus - psycho means "soul" and logus means "knowledge").

nursingyan.com

This later became psychology i.e. "study of soul or mind".

Many centuries ago, psychology was considered a branch of philosophy.

At that time, “mind” and “mental processes” were mainly studied in psychology.

Along with these changes, there were also differences in the formulation and interpretation of psychology.

The form of psychology that we see today has gone through different stages of development.

We can understand the gradual development of psychology from the following points-

• Psychology as a Science of Soul -

Greek philosophers like Plato, Aristotle, and Descarte etc. accepted psychology as the science of soul.

• Psychology as a Science of Mind -

After the interpretation of psychology as the science of the soul was rejected, the philosophers of the seventeenth century explained psychology as the science of mind.

• Psychology as a Science of Consciousness

- In the nineteenth century, psychologists presented psychology as the science of consciousness instead of the science of mind.

nursingyan.com

Among these, the names of philosophers like William James, Vives, William Wood, James Salie, etc. are prominent.

• Psychology as a science of behavior -

In the beginning of the twentieth century, philosophers started accepting psychology as a science of behavior. The names of philosophers like Watson, Budworth, Skinner, etc. are prominent in it.

Now at present this form of psychology is universally accepted norm.

Q.नर्सों के लिए मनोविज्ञान का महत्व समझाइए।

Explain the importance of psychology for nurses.

उत्तर- नर्सों के लिए मनोविज्ञान का महत्व निम्न प्रकार है-

1. रोगी को समझना (Understanding Patient)

कई बार मरीजों की समस्याएँ शारीरिक होने के साथ-साथ मानसिक प्रवृत्ति की भी होती हैं।

यदि ऐसे मरीजों की मानसिक समस्याओं को पहचाने बिना उनकी केवल शारीरिक समस्याओं का उपचार किया जाए तो वह मरीज पूर्णरूपेण ठीक नहीं हो पाता।

दूसरे शब्दों में कहा जाए कि इन मरीजों को पूरी तरह स्वस्थ बनाने के लिए आवश्यक है कि इनकी शारीरिक समस्याओं के साथ-साथ मानसिक समस्याओं को भी भली-भांति पहचान कर उनका उचित उपचार किया जाए।

मरीज की मानसिक समस्याओं को पहचानने हेतु आवश्यक है कि नर्स को स्वयं मनोविज्ञान की जानकारी हो।

मनोविज्ञान के अध्ययन के दौरान संवेग (emotion), चिन्तन (thinking), तर्क (reasoning), प्रत्यक्षीकरण (perception), बुद्धि (intelligence), व्यक्तित्व (personality), आदि विभिन्न

nursingyan.com

विषयों का अध्ययन किया जाता है, जोकि नर्स द्वारा मरीज की मनोवैज्ञानिक समस्याओं के निदान (diagnosis) तथा उनके उपचार (treatment) में सहायक होता है।

2. स्वयं के व्यक्तित्व व व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सहायक (Helpful in bringing Positive Changes in Self Attitude and Behaviour) -

मनोविज्ञान के अध्ययन द्वारा नर्स के व्यक्तित्व व व्यवहार में भी सुधारात्मक परिवर्तन आते हैं।

इसके अध्ययन द्वारा नर्स को व्यक्तित्व व व्यवहार के निर्धारक तत्व, प्रभावी व्यक्तित्व और कुशल-सौम्य व्यवहार की विशेषताओं आदि के बारे में ज्ञान प्राप्त होता है, फलस्वरूप नर्स अपने व्यक्तित्व व व्यवहार के नकारात्मक (negative) पहलुओं में आवश्यक सुधार कर उन्हें अधिक प्रभावी व कुशल बना सकती है।

वैसे भी एक नर्स अपने मरीज के लिए role-model या ideal (आदर्श) होती है तथा उसके द्वारा की जाने वाली गतिविधियां (activities) मरीजों व उनके परिजनों द्वारा अवलोकित (peruse) की जाती हैं।

ऐसे में यदि नर्स का व्यक्तित्व व व्यवहार प्रभावी व सकारात्मक (positive) होगा तो मरीजों और उनके परिजनों के लिए वह प्रशंसापात्र व सम्माननीय हो जायेगी, साथ ही अनुकरणीय भी।

3. स्वयं एवं दूसरे लोगों को समझने में सहायक (Helpful in to understand Self and Others) -

मनुष्य की ऐसी प्रवृत्ति होती है कि उसे स्वयं में गुण ही गुण तथा दूसरे लोगों में अवगुण ही अवगुण नजर आते हैं।

नर्स भी इस प्रकृति-प्रदत गुण-अवगुण से अछूती नहीं होती है।

मनोविज्ञान के अध्ययन द्वारा नर्स न केवल स्वयं बल्कि दूसरे लोगों को भी भली-भांति पहचानने में सक्षम हो जाती है, साथ ही उसे अपने व्यवहार एवं व्यक्तित्व के मजबूत एवं कमजोर पक्षों का भी ज्ञान हो जाता है।

4. मनोविज्ञान नर्स के लिए नर्सिंग केयर प्रदान करने में सहायक है (Psychology helps the

nursingyan.com

Nurse in providing Nursing Care) -

मनोविज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों (fundamental principles) के व्यापक अध्ययन के पश्चात् नर्स इन सिद्धांतों का मरीज की देखभाल करने में उपयोग कर सकती है।

कुछ बीमारियां व दुर्घटनाएं इस प्रकार की होती हैं कि उनका पूर्ण उपचार संभव नहीं है, ऐसी स्थिति में मनोविज्ञान के अध्ययन से नर्स एक बेहतर स्वास्थ्य शिक्षक के रूप में रोगी को इस प्रकार की स्थिति से सामंजस्य स्थापित करने में सहायता कर सकती है अर्थात मनोविज्ञान का ज्ञान नर्स को health educator बनाने में अति महत्वपूर्ण है, साथ ही इस ज्ञान के आधार पर नर्स, रोगी व उसके परिवार वालों को बीमारी की प्रकृति, जांच, उपचार, आदि के बारे में सही ढंग से समझा सकती है।

5. मनोविज्ञान नर्स के लिए सफल व्यक्तिगत व व्यावसायिक समायोजन में सहायक है (Psychology helps the Nurse in Successful Personal and Professional Adjustment) -

किसी भी व्यवसाय में सफल होने के लिए व्यक्तिगत समायोजन अत्यन्त आवश्यक है।

एक नर्स को भी अपने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए स्वयं का व्यक्तिगत समायोजन (personal adjustment) करना बहुत आवश्यक है।

नर्स को अपनी योग्यताओं, क्षमताओं, कमियों का पता होना चाहिए ताकि वह इनका पूरा उपयोग कर सके। साथ ही उसे अपने व्यवसाय में सफल होने के लिए स्वयं की शारीरिक, मानसिक - स्वस्थता (well being) के साथ ही अपने व्यक्तित्व में आवश्यक गुणों का समावेश करना चाहिए।

Answer- The importance of psychology for nurses is as follows-

1. Understanding Patient

Many times the problems of the patients are not only physical but also mental in nature.

If such patients are treated only for their physical problems without

nursinggyan.com

identifying their mental problems, then the patient cannot be completely cured.

In other words, to make these patients completely healthy, it is necessary that along with their physical problems, mental problems should also be identified and treated properly.

To identify the mental problems of the patient, it is necessary that the nurse herself has knowledge of psychology.

During the study of psychology, various subjects like emotion, thinking, reasoning, perception, intelligence, personality, etc. are studied, which is used by the nurse to understand the psychological state of the patient. Helpful in diagnosis of problems and their treatment.

2. Helpful in bringing positive changes in self attitude and behavior -

Through the study of psychology, corrective changes also occur in the personality and behavior of the nurse.

Through its study, the nurse gets knowledge about the determining elements of personality and behaviour, characteristics of effective personality and efficient-gentle behaviour, etc. As a result, the nurse can make necessary improvements in the negative aspects of her personality and behavior and make them more effective and efficient. Can make efficient.

Anyway, a nurse is a role-model or ideal for her patients and the activities done by her are observed (perused) by the patients and their families.

In such a situation, if the personality and behavior of the nurse is effective and positive, then she will become praiseworthy and respectable for the patients and their families, as well as exemplary.

nursingguan.com

3. Helpful in understanding Self and Others -

Man has such a tendency that he sees only good qualities in himself and only bad qualities in other people.

Even a nurse is not untouched by these nature-given qualities and demerits.

By studying psychology, the nurse becomes capable of identifying not only herself but also other people well, and also gets to know the strong and weak aspects of her behavior and personality.

4. Psychology helps the Nurse in providing Nursing Care -

After extensive study of the fundamental principles of psychology, the nurse can use these principles in patient care.

Some diseases and accidents are of such a nature that their complete treatment is not possible, in such a situation, by studying psychology, the nurse can help the patient as a better health teacher in adjusting to this type of situation, i.e. psychology. Knowledge is very important in making a nurse a health educator, and on the basis of this knowledge, the nurse can explain correctly to the patient and his family about the nature of the disease, investigation, treatment, etc.

5. Psychology helps the Nurse in Successful Personal and Professional Adjustment -

Personal adjustment is very important to be successful in any business.

It is very important for a nurse to make personal adjustment to achieve success in her work field.

A nurse should know his qualifications, abilities and shortcomings so that

nursingyan.com

he can make full use of them. Also, to be successful in his business, he should include the necessary qualities in his personality along with his physical and mental health.

nursinggyan.com